

में ढूँढ फिरी जग सारा

में ढूँढ फिरी जग सारा मुझे मिला न प्रीतम प्यारा
मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
में ढूँढ फिरी जग सारा.....

में कुंदन कुंदन भटकी अब आ वृन्दावन अटकी,
ढूँढा यमुना का किनारा, मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
में ढूँढ फिरी जग सारा.....

तेरी सवाली सूरत मन वस् गई मोहे नागिन बन कर डस गई,
मुझे दे गया झूठा लारा मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
में ढूँढ फिरी जग सारा.....

में का सु कहु दिल की मने रो रो आवे हिचकी,
कहा चुप गया नन्द दुलारा मुझे न मिला न प्रीतम प्यारा,
में ढूँढ फिरी जग सारा.....

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15889/title/main-dhund-phiri-jag-saara>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |